हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, गुरुवार, 5 जून 2025

कुख्यात गुंडा संदीप वर्मा तड़ीपार

नागपुर.

शहर के बेलतरोडी थाना क्षेत्र के महाकाली नगर निवासी कुख्यात अपराधी संदीप भारत वर्मा (23) को पुलिस ने दो वर्षों के लिए नागपुर शहर और ग्रामीण क्षेत्र से तड़ीपार कर दिया है। संदीप वर्मा के खिलाफ बेलतरोडी पुलिस थाने में कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। बार-बार की गई कानूनी कार्रवाई के बावजूद उसमें कोई सुधार नहीं हुआ। अपराधों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए बेलतरोडी पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध तडीपारी का प्रस्ताव तैयार कर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को प्रस्तुत किया। पुलिस उपायुक्त रश्मिता राव के आदेश पर आरोपी को नागपुर शहर व ग्रामीण सीमा से दो वर्षों के लिए निष्कासित करने का आदेश जारी किया गया।

अटल बिहारी वाजपेयी ई-लाइब्रेरी बनी छात्रों की भविष्य निर्माता

नागपुर.

महानगरपालिका के लोधीपुरा क्षेत्र में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ई-लाइब्रेरी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गई है। साथ ही, कई छात्र इस ई-लाइब्रेरी के माध्यम से एमबीबीएस, एमडी और एमएस जैसी मेडिकल परीक्षाओं की तैयारी कर डॉक्टर बनने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं। मई 2022 में शुरू की गई यह ई-लाइब्रेरी नगर आयुक्त और प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त वैष्णवी बी और शिक्षा अधिकारी साधना सैयाम के मार्गदर्शन में सफल रही है।

यूपीएससी, एमपीएससी, सीए, एमबीए, बैंक और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ सीईटी की तैयारी करने वाले छात्र इस लाइब्रेरी में पढ़ाई करते हैं। पिछले दो वर्षों में कुछ छात्रों ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में भी सफलता हासिल की है, जबकि कई छात्रों को सरकारी नौकरी मिली है। अब यह लाइब्रेरी 'डॉक्टर्स लाइब्रेरी' के नाम से जानी जाती है। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और रेलवे अस्पताल के एमबीबीएस, एमडी और एमएस के छात्र अपनी पढ़ाई के लिए इस लाइब्रेरी को सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। पुस्तकालय में प्रवेश करते समय विद्यार्थियों की शैक्षणिक पृष्ठभूमि तथा वे जिस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उसके बारे में जानकारी ली जाती है। सफल विद्यार्थियों को पुस्तकालय कर्मचारियों द्वारा सम्मानित भी किया जाता है। जल्द ही इस पुस्तकालय में सौर ऊर्जा प्रणाली लगाई जाएगी, जिससे बिजली की बचत होगी।

पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाएं

पुस्तकालय में उपलब्ध सुविधाएं इस पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए कई सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिसके कारण यह कम समय में ही लोकप्रिय हो गई है: शांत और वातानुकूलित (एसी) वातावरण, लिफ्ट की सुविधा, बिजली जाने पर जनरेटर की सुविधा, कंप्यूटर कक्ष और इंटरनेट, वाईफाई की सुविधा, विकलांगों के लिए विशेष अध्ययन कक्ष और कंप्यूटर, विद्यार्थियों के भोजन के लिए कैफेटेरिया, व्याख्यान के लिए सभागार, विशाल पार्किंग की सुविधा।

50 से अधिक विद्यार्थी कर रहे प्रतीक्षा

50 से अधिक विद्यार्थी प्रतीक्षा कर रहे हैं इस पुस्तकालय के अध्ययन कक्ष में 30 विद्यार्थी बैठ सकते हैं, जबकि कंप्यूटर लैब में 60 सुविधाएं (15 सामान्य कंप्यूटर, 20 लड़कों के लिए, 20 लड़कियों के लिए और 5 विकलांगों के लिए) हैं। हर महीने 50 से अधिक विद्यार्थी प्रतीक्षा कर रहे हैं। नगर निगम द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के लिए विद्यार्थियों से 1000 रुपये प्रति माह (नकद या ऑनलाइन) शुल्क लिया जाता है। इस शुल्क में अध्ययन पुस्तकें, इंटरनेट, वाई-फाई, पुस्तकें और विभिन्न पत्रिकाएँ शामिल हैं।

आरएफआईडी प्रणाली

पुस्तकों की चोरी रोकने के लिए पुस्तकालय में रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) प्रणाली लगाई गई है, जिससे बिना स्टाफ की अनुमति के कोई भी पुस्तक बाहर नहीं ले जाई जा सकती। इस ई-लाइब्रेरी के प्रभारी रितेश मेश्राम ने बताया कि ऑनलाइन पंजीकरण के कारण यह जानकारी मिलती रहती है कि कौन सी पुस्तक किस छात्र के पास है।

ट्रक में ओडिसा से नागपुर ला रहे थे 108 किलो गांजा, दो गिरफ्तार

नागपुर.

ओडिसा से नागपुर गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का खुलासा कलमना पुलिस ने किया है। ट्रक में अन्य सामान की आड़ में गांजा लाया जा रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 108 किलो गांजा जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पलाश विद्याधर वानखेड़े (31), निवासी सूर्योदय नगर, हुड़केश्वर और अविनाश संजय ढोके (34), निवासी बिनाकी, यशोधरा नगर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अविनाश ट्रांसपोर्ट कंपनी में चालक का कार्य करता है, जबकि पलाश पर पहले से आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। अविनाश हाल ही में नागपुर से ट्रक में माल लेकर उड़ीसा गया था और वापसी में दूसरे सामान के साथ गांजे की खेप लेकर आया। इस रैकेट की सूचना जोन 5 के डीसीपी निकेतन कदम को मिली, जिसके बाद उन्होंने कलमना पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए।

पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात अविनाश ने पलाश को चिखली चौक के पास गांजा लेने के लिए बुलाया। पलाश एसयूवी वाहन से वहां पहुंचा और जैसे ही ट्रक से गांजा लिया गया, पुलिस ने दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

जांच के दौरान ट्रक से चार और एसयूवी से दो बोरियां मिलीं, जिनमें कुल 108 किलो गांजा था, जिसकी बाजार कीमत लगभग 27 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने गांजा, ट्रक और एसयूवी जब्त कर ली है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि इस रैकेट का सूत्रधार उड़ीसा का एक कुख्यात गांजा तस्कर है, जो पहले भी कई बार इसी तरीके से नागपुर में गांजा भेज चुका है।

आरोपियों ने खुलासा किया कि अविनाश गांजा नागपुर लाकर पलाश को सौंपता था, जो इसे अन्य तस्करों को वितरित करता था। पुलिस अब इस नेटवर्क में शामिल फरार मुख्य आरोपी की तलाश कर रही है, जो कथित रूप से अपनी पत्नी की मदद से गांजा बेचता है। साथ ही अविनाश के ट्रांसपोर्ट मालिक की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों की अनौपचारिक बैठक 14 जून को

अपराध नियंत्रण में अनुभव का होगा लाभ

नागपुर.

शहर में बढ़ते अपराध पर नियंत्रण रखने और कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से, पुलिस विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। इसी कड़ी में नागपुर शहर के पुलिस आयुक्त रविन्द्रकुमार सिंगल के मार्गदर्शन में, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी एवं अमलदारों की एक अनौपचारिक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। यह बैठक दिनांक 14 जून 2025 को शाम 4:00 बजे पुलिस भवन स्थित ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित की गई है। इसका प्रमुख उद्देश्य है कि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के बहुमूल्य अनुभव और सुझावों का उपयोग कर वर्तमान पुलिस बल को मार्गदर्शन देना और अपराध नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाना। पुलिस आयुक्त सिंगल ने नागपुर के सभी सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी व अमलदारों से इस बैठक में सहभाग लेने का आवाहन किया है। उनका मानना है कि वर्षों की सेवा में अर्जित अनुभवों से वर्तमान पुलिस बल को दिशा मिल सकती है, जिससे अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। यह बैठक अनौपचारिक होगी, परंतु इसके माध्यम से पुलिस प्रशासन और समाज के बीच के संबंधों को और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही, वरिष्ठ और अनुभवी पुलिस अधिकारियों की सलाहों से पुलिस बल को आधुनिक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी। जो भी अधिकारी या अमलदार इस बैठक में भाग लेने में किसी प्रकार की असुविधा महसूस कर रहे हैं, वे मोबाइल नंबर 7385982212 पर संपर्क कर सकते हैं।

महावितरण विद्युत सुरक्षा सप्ताह में जनजागरूकता की अनोखी लहर

निबंध और चित्रों में गूंजा 'सुरक्षा मंत्र'

नागपुर.

महावितरण के 20वें स्थापना दिवस पर नागपुर और वर्धा में आयोजित विद्युत सुरक्षा सप्ताह ने बिजली के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाई। स्कूली छात्रों, कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए आयोजित निबंध व चित्रकला प्रतियोगिताओं को भारी प्रतिसाद मिला। आयोजनों में बच्चों से लेकर वयस्कों तक ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महावितरण की विद्युत सुरक्षा सप्ताह के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बिजली से जुड़ी सावधानियों को निबंध और चित्रों के माध्यम से प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत किया। निबंधों में शॉर्ट सर्किट, बिजली के झटकों से बचाव और तारों से दूरी जैसे विषयों को गंभीरता से उठाया गया, जबकि चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने सुरक्षा संदेशों को रचनात्मक रंगों में ढालकर जागरूकता को और मजबूती दी।

महावितरण के वरिष्ठ अधिकारियों ने इन उपक्रमों की सराहना करते हुए कहा,

"बच्चों को छोटी उम्र में ही बिजली की सुरक्षा के बारे में जानकारी देना भविष्य के गंभीर हादसों को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यही बच्चे कल के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे और समाज में जागरूकता फैलाएंगे।" प्रतियोगिता में विजेताओं को पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया, जिससे अन्य विद्यार्थियों को भी ऐसे रचनात्मक आयोजनों में भाग लेने की प्रेरणा मिलेगी। नागपुर के वाडी, हिंगणा, त्रिमूर्तीनगर, ब्राह्मणी, नरखेड, काटोल, उमरेड, कामठी, कुही सहित कई स्थानों और वर्धा जिले के वर्धा, हिंगणघाट, आर्वी, आष्टी, पुलगांव, खरांगणा, सेलू आदि जगहों पर इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। सुरक्षा सप्ताह के दौरान महावितरण के अधिकारी विभिन्न रिहायशी इलाकों, बाजारों और बस स्टॉप्स पर जाकर नागरिकों में विद्युत सुरक्षा को लेकर जागरूकता फैला रहे हैं। जानकारी पत्रक, पोस्टर, और फिल्मों के जरिए भी बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।महावितरण को विश्वास है कि इन उपक्रमों से नागरिकों में विद्युत सुरक्षा के प्रति गंभीरता बढ़ेगी और बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं में निश्चित रूप से कमी आएगी। इसके अलावा, 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रत्येक विभाग में सुरक्षा और पर्यावरण रैली का आयोजन होगा, तथा 6 जून को सभी कार्यालयों में सुरक्षा शपथ समारोह आयोजित किया जाएगा।

एलओसी पार करनेवाली सुनीता के मोबाइल में मिले दो संदिग्ध ऐप

फारेंसिक रिपोर्ट का इंतजार

नागपुर.

एलओसी पार कर पाकिस्तान पहुंची नागपुर की सुनीता के मोबाइल से दो संदिग्ध मोबाइल ऐप्स मिलने से खलबली मच गई है। कपिल नगर पुलिस के अनुसार, सुनीता के मोबाइल की फारेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि इन ऐप्स का उपयोग किस उद्देश्य से किया गया था। सूत्रों के मुताबिक, सुनीता 28 मई से कपिल नगर पुलिस की हिरासत में थी और 2 जून को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में उसने पाकिस्तान जाने का कारण 'स्टोन कारोबार' बताया, लेकिन उसके दावों की पुष्टि नहीं हो सकी है। मोबाइल की चैटिंग से भी ऐसा कोई सुराग नहीं मिला जिससे साबित हो सके कि वह व्यापार के उद्देश्य से पाकिस्तान गई थी। सुनीता को पाकिस्तान में 9 दिनों तक रेंजर्स की हिरासत में रखा गया था। इसी दौरान उसका मोबाइल पाकिस्तानी अधिकारियों के कब्जे में रहा। बीएसएफ के माध्यम से भारत लौटने के बाद उसके मोबाइल की जांच में दो संदिग्ध ऐप्स पाए गए। जोन पांच के डीसीपी निकेतन कदम ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इन ऐप्स को किसने इंस्टॉल किया और क्या उपयोग किया गया। अब तक की जांच में सुनीता द्वारा किसी भी संवेदनशील जानकारी के लीक होने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस उन स्थानीय लोगों की तलाश कर रही है जिन्होंने सुनीता को एलओसी पार करने में मदद की। कारगिल पुलिस की टीम नागपुर पहुंच चुकी है और उसने सुनीता से पूछताछ की है। जल्द ही उसे हिरासत में लेकर कारगिल ले जाया जाएगा।

जानकारी के अनुसार, सुनीता ने श्रीनगर से 'लिफ्ट' लेकर कारगिल का सफर तय किया था और एलओसी के जिस इलाके से सीमा पार की, उसकी पहचान कर ली गई है। श्रीनगर पुलिस ने उस व्यक्ति की पहचान भी कर ली है जिसने सुनीता की मदद की थी। उसे जल्द ही हिरासत में लेकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस कई एंगल से मामले की जांच कर रही है और सुनीता के पाकिस्तान जाने के पीछे की मंशा का पता लगाने में जुटी है। फारेंसिक रिपोर्ट के बाद पूरे मामले पर और रोशनी पड़ने की उम्मीद है।

अवैध रूप से चल रहे कत्लखाने का पर्दाफाश

12 गोवंश को पुलिस ने दिया जीवनदान

नागपुर. पाचपावली पुलिस ने मंगलवार तड़के गुप्त जानकारी के आधार पर एक छापामार कार्रवाई करते हुए गोवंश पशुओं को निर्दयता से क़त्ल के इरादे से बांधने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अवैध रूप से इस कत्ल खाने को चल रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार 04 जून 2025 की रात लगभग 3:40 बजे से सुबह 6:20 बजे के बीच पुलिस टीम को सूचना मिली कि आज़ाद नगर, टेका क्षेत्र में ईमरान कुरैशी के गोठे में कई गोवंश जानवरों को क़त्ल के उद्देश्य से अमानवीय तरीके से रखा गया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पंचनामा के तहत छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस को वहां 12 छोटे-बड़े गोवंश पशु अत्यंत निर्दयता से, बिना पानी और चारे के एक छोटी सी जगह पर बंद मिले। जांच में पता चला कि इन जानवरों का मालिक मोहसिन कुरैशी (उम्र 31 वर्ष)सिद्धार्थ नगर, नई वस्ती, टेका, पाचपावली निवासी है, जिसने इन जानवरों को क़त्ल के उद्देश्य से वहां रखा था। आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध स्वीकार किया। पुलिस ने मौके से 12 गोवंश पशु और अन्य सामग्री सहित कुल 1,81,900 रुपये का माल जब्त किया है। सभी पशुओं को सुरक्षित रूप से गौशाला में भेज दिया गया है। इस मामले में आरोपी के खिलाफ महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम 1976 (संशोधित 1995) की धारा 5, 5(ब), 9 तथा प्राणी क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

नकदी व गहनों सहित 1.16 लाख रुपये की हुई चोरी

नागपुर.

कलमना थाना क्षेत्र में एक बंद को निशाना बनाते हुए चोरों ने लगदी व गहनों समेत कुल 1,16,000 रुपये का माल चुरा लिया। यह घटना उस समय हुई जब मकान मालिक अपने परिवार के साथ शादी समारोह में मध्यप्रदेश के शिवनी शहर गए हुए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्लॉट नंबर 157,गुलमोहर नगर, भरतवाडा रोड कलमना निवासी अनिलकुमार रमेशप्रसाद चौकसे (49) दिनांक 31 मई 2025 को रात 11 बजे के आसपास अपने घर में ताला लगाकर परिवार समेत शिवनी गए थे। जब वे 3 जून 2025 को शाम 5 बजे के करीब वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर का मुख्य दरवाजे का ताला और कडीकुंडा टूटा हुआ था।

घर की तलाशी लेने पर पता चला कि अज्ञात चोरों ने बेडरूम में रखी अलमारी से 60,000 रुपये नकद तथा सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए हैं। चोरी गए सामान की कुल कीमत 1,16,000 रुपये आंकी गई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ चोरी के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और चोरों की तलाश जारी है।

गोरेवाड़ा रिंग रोड पर भारी वाहनों की आवाजाही बनी हादसों का कारण

प्रशासन से तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग

नागपुर.

शहर के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित गोरेवाड़ा रिंग रोड पर हो रहे लगातार हादसों ने नागरिकों की चिंता बढ़ा दी है। यह मार्ग वर्षों से भारी वाहनों की अव्यवस्थित आवाजाही का केंद्र बना हुआ है, जिससे न केवल यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि कई लोगों की जान भी जा चुकी है। स्पीड ब्रेकर लगाने जैसे अस्थायी उपायों के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। लगभग दो माह पूर्व हुई एक भीषण दुर्घटना के बाद दुर्घटनास्थल पर स्पीड ब्रेकर बनाए गए, लेकिन क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह स्थायी समाधान नहीं है। उनका स्पष्ट मत है कि इस मार्ग पर भारी वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

जमाअत ए इस्लामी हिंद नागपुर के मीडिया प्रभारी डॉ. एम. ए. रशीद ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता जताते हुए यातायात विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सुझाव दिया है कि शहर की अन्य दिशाओं में जिस प्रकार भारी वाहनों का यातायात आउटर रिंग रोड की ओर मोड़ा गया है, उसी तरह गोरेवाड़ा रिंग रोड पर भी किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 53 (एनएच-53) का फेटरी (कमलेश्वर नाका) से महुरझारी, भरतवाड़ा, चक्कीखापा होते हुए कोराडी पावर प्लांट रोड तक का आउटर रिंग रोड कार्य पूरा हो चुका है। ऐसे में जहां तक निर्माण पूरा हो चुका है, वहां तक गोरेवाड़ा रिंग रोड पर दौड़ते भारी वाहनों की दिशा मोड़ी जा सकती है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया, तो हादसों की संख्या और बढ़ सकती है। अतः यह समय की मांग है कि प्रशासन इस मामले को प्राथमिकता से लेकर गोरेवाड़ा रिंग रोड को भारी वाहनों के लिए प्रतिबंधित करे और वैकल्पिक मार्ग का उपयोग सुनिश्चित करे।

धारदार हथियार के साथ आरोपी गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल भी बरामद

नागपुर.

अजनी थाना क्षेत्र में धारदार हथियार लेकर नागरिकों में दहशत फैलाने वाले एक युवक को पुलिस ने रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी किया गया मोबाइल फोन और एक चाकू भी जब्त किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का नाम अंकुश उर्फ अक्षय ज्ञानेश्वर वासनिक (27) है, जो कुंजीलाल पेठ, गली नंबर 4, लल्लु के किराना दुकान के पास, उमेश चौधरी के घर में किरायेदार के रूप में रह रहा था। गुप्त सूचना मिलने के बाद अजनी पुलिस की टीम ने रात करीब 8 बजे इलाके में गश्त के दौरान आरोपी को सार्वजनिक स्थान पर चाकू लहराकर दहशत फैलाते हुए देखा।

पुलिस की मौजूदगी भांपते ही आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी की तलाशी ली, जिसमें उसकी पैंट से एक धारदार फोल्डिंग चाकू और जेब से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि यह मोबाइल उसने 10 दिन पहले कोराडी थाना क्षेत्र में अपने साथी के साथ मिलकर एक राहगीर को चाकू दिखाकर लूटा था। इस मामले में अजनी थाने में पुलिस ने मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है।

आदमखोर बाघ के हमले में मृत किसानों के परिवारों को दो करोड़ रुपये मुआवजा देने की मांग तेज़

ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, मंत्री से कार्रवाई की मांग

पारशिवनी.

क्षेत्र में आदमखोर बाघ के हमलों से फैले दहशत के माहौल के बीच ग्रामीणों ने मृत किसानों के परिवारों को दो करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने की मांग की है। हाल ही में एक किसान बाघ के हमले का शिकार हुआ, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक किसान अपने परिवार का एकमात्र सहारा था।

वन विभाग ने मृतक के परिवार को 25 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि यह रकम उनके भविष्य की आवश्यकताओं — जैसे बच्चों की शिक्षा, जीवनयापन और खेतीबाड़ी — के लिए बेहद अपर्याप्त है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कम से कम दो करोड़ रुपये की सहायता दी जानी चाहिए ताकि परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी हो सकें।

वन विभाग पर लापरवाही का आरोप : विधानसभा सदस्य और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशिष जैसवाल के क्षेत्र में लगातार हो रहे बाघ हमलों के बावजूद, अब तक बाघ को पकड़ने में प्रशासन पूरी तरह विफल साबित हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग सिर्फ दिखावा कर रहा है और समय रहते कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। बाघ दिनदहाड़े गांवों और खेतों में घूमते हुए शिकार कर रहा है, जिससे किसान और मजदूर खेतों में जाने से डरने लगे हैं।

अब तक तीन किसानों की मौत, फिर भी बाघ आज़ाद : हाल ही में नयेगांव खैरी में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में वित्त राज्य मंत्री आशिष जैसवाल, महसूल मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, सांसद बबलू बर्वे सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में बाघ को पकड़ने के लिए तत्काल उपाय योजनाएं तय की गई थीं। लेकिन इन निर्णयों पर अब तक कोई ठोस अमल नहीं हो सका है।

अब तक तीन अलग-अलग घटनाओं में तीन किसानों की जान जा चुकी है। विरोध प्रदर्शन, आंदोलन और चक्काजाम जैसे प्रयासों के बावजूद बाघ अब तक वन विभाग की पकड़ से बाहर है।

प्रतिदिन 30 से 40 कर्मचारी और लाखों रुपये खर्च करने के बावजूद भी वन विभाग असफल साबित हो रहा है।

मंत्री से कार्रवाई और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम की मांग

पूर्व ग्राम पंचायत सदस्य श्रीराम बुरबांधे ने प्रशासन और स्थानीय नेताओं की उदासीनता पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि अगर समय रहते बाघ को पकड़ा गया होता, तो इन किसानों की जान बचाई जा सकती थी। अब भी समय है कि युद्धस्तर पर अभियान चलाकर आदमखोर बाघ को जल्द से जल्द पकड़ा जाए। ग्रामीणों की मांग है कि मंत्री आशिष जैसवाल को इस मामले में हस्तक्षेप कर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगानी चाहिए और कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। तभी वन विभाग गंभीरता से अपने कार्य को अंजाम देगा और क्षेत्र में फैले डर के माहौल को खत्म किया जा सकेगा।

- श्रीराम बुरबांधे, भुत पूर्व ग्रामपंचायत सदस्य

बकरीद के मद्देनजर कोंढाली पुलिस स्टेशन में शांति समिति की बैठक संपन्न

कोंढाली.

ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व इस वर्ष 7 जून 2025 को पूरे देश में मनाया जाएगा। इस अवसर पर कोंढाली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दिनांक 3 जून 2025 को शाम 7:30 बजे पुलिस स्टेशन परिसर के परेड ग्राउंड में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक की अध्यक्षता काटोल के उपविभागीय पुलिस अधिकारी बापूसाहेब रोहम ने की। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि पर्व के दौरान क्षेत्र में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण बना रहे, कोई भी व्यक्ति अफवाह न फैलाए और न ही किसी अफवाह पर विश्वास करे। उन्होंने यह भी कहा कि सभी गांवों में भाईचारा, शांति और व्यवस्था बनी रहनी चाहिए।

बैठक में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक संगठनों के सदस्य, पांचों मस्जिद समितियों के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से डॉ. आर. पठान, शेख नूर मोहम्मद, याकूब पठान, सूफी साबरी नूरी, अफसर हुसैन, प्राचार्य सुधीर बूटे, प्रा. मोहनराव ठवले, बालकिशन पालीवाल, बबलू बिसेन, प्रज्वल धोटे, तनवीर शेख, सदाप पठान और दुर्गा प्रसाद पांडे आदि उपस्थित थे। सभी ने त्योहार को शांतिपूर्वक और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की तथा स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की।

इस अवसर पर कोंढाली के थानेदार राजकुमार त्रिपाठी, पीएसआई धवल देशमुख, पो.उ.नि. शेख सलीम, पो.उ.नि. रोशन खांडेकर भी मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में ना.पो.शि. अमित पवार ने सभी उपस्थित नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। शांति समिति की यह बैठक क्षेत्र में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए एक सकारात्मक पहल रही।

नागपुर के होनहार डॉ. अभिषेक खोबरागड़े को डीएम कार्डियोलॉजी में स्वर्ण पदक

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने किया सम्मानित

नागपुर.

नागपुर शहर के होनहार और प्रतिभाशाली डॉक्टर अभिषेक खोबरागड़े ने डीएम कार्डियोलॉजी की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक हासिल किए, बल्कि उन्हें स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा के हाथों प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलगुरु और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रहलाद जोशी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह परीक्षा अप्रैल 2025 में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज एवं डॉ. प्रभाकर कोरे अस्पताल, बेलगावी द्वारा आयोजित की गई थी।

डॉ. अभिषेक खोबरागड़े, शहर के प्रसिद्ध मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. शंकर खोबरागड़े के सुपुत्र हैं। उन्होंने डीएम कार्डियोलॉजी की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे नागपुर का नाम रोशन किया है। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर गुरुजनों, मित्रों और परिजनों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

अब गांव-गांव दस्तक दे रहे बाघ-तेंदुए

> पांजरा काटे गांव में गोशाला से दो बछड़ों को बनाया निवाला
> एक वर्ष में अब तक 99 पशुओं को बनाया शिकार

कोंढाली.

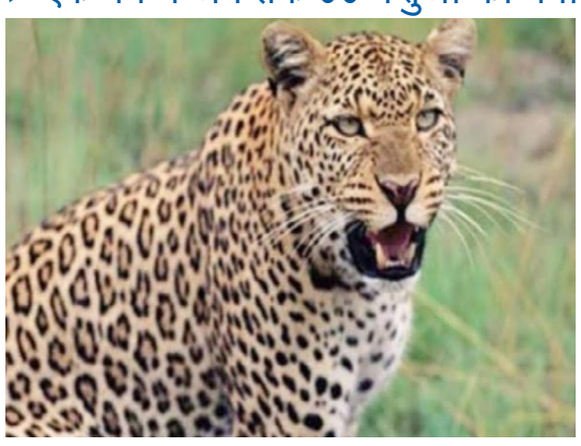

बोर टाइगर प्रोजेक्ट के बफर जोन से लगातार निकलकर तेंदुए और बाघ अब गांवों की ओर रुख कर रहे हैं। बीते बुधवार, 4 जून की सुबह कोंढाली वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पांजरा काटे ग्राम में तेंदुए ने गोशाला में घुसकर दो बछड़ों को मार डाला। इस घटना से गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में दहशत का माहौल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पांजरा काटे निवासी किसान एवं गोपालक युवराज किसन सरवरे ने रोज की तरह अपने गोवंशों को चरागाह से लौटाकर गोशाला में बांधा था। सुबह करीब 4 बजे तेंदुआ गोशाला में घुस आया और वहां बंधे दो एक वर्षीय बछड़ों को शिकार बना लिया।

घटना की सूचना मिलते ही कोंढाली वन परिक्षेत्र अधिकारी निशिकांत कपगते के निर्देश पर उपवन परिक्षेत्र अधिकारी मालके, वनरक्षक प्रवीण वरठी तथा स्थानीय वनरक्षक राठोड़ मौके पर पहुंचे और पंचनामा तैयार किया गया। इसके बाद पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पोस्टमार्टम कर शवों को हटाया गया। मृत पशुओं के मुआवजे के लिए प्रस्ताव वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा गया है।

ग्रामीणों में बढ़ रही है दहशत : इस घटना ने पांजरा काटे, धुरखेड़ा, दोडकी, वसंतनगर सहित आसपास के गांवों में भय का वातावरण बना दिया है। ग्रामीणों, किसानों, खेतिहर मजदूरों, विद्यार्थियों और यात्रियों में वन्यजीवों के बढ़ते खतरे को लेकर चिंता गहराती जा रही है।

एक साल में 99 पशु बने शिकार: कोंढाली वन क्षेत्र में बीते एक वर्ष में तेंदुए और बाघ अब तक करीब 99 मवेशियों—बकरियां, गाय-बछड़े, बैल आदि—को अपना शिकार बना चुके हैं। बताया जा रहा है कि हमलों के बाद हिंस्र पशु आसपास के पहाड़ी क्षेत्रों—जैसे रामगढ़ पहाड़ी, घोड़ा डोंगरी—में छिपकर डेरा जमाए हुए हैं।

सुरक्षा के इंतजाम की मांग : वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं और संवेदनशील गांवों में देर रात तक गश्त के आदेश भी जारी किए हैं। बावजूद इसके, ग्रामीणों की मांग है कि पांजरा काटे, वसंतनगर, मासोद और आसपास के क्षेत्रों में वन्यजीवों से सुरक्षा के लिए बोर अभयारण्य व्याघ्र प्रकल्प के तहत एक स्थायी सफारी गेट तैयार किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो तेंदुए और बाघों का आतंक और भी विकराल रूप ले सकता है।

श्री स्टार लॉजिंग बोर्डिंग फैमिली रेस्तरां का हुआ उद्घाटन

कामठी.

राहुल यादव एवं बंटी मोहबे ने यात्रियों की सुविधा के लिए श्री स्टार लॉजिंग बोर्डिंग होटल का विधिवत पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि श्री स्टार लॉजिंग बोर्डिंग होटल ग्रामीण भाग में व्यापक रूप से बेहतरीन लॉजिंग बोर्डिंग होटल में से एक है। 8 कमरों वाला श्री स्टार लॉगिंग बोर्डिंग होटल लिहिगांव रोड, घोरपड़ गांव से कुछ ही दूरी पर स्थित है। जिससे यात्रियों को चुनने के लिए दो प्रकार के आवास विकल्प मिलते हैं, जिनमें एसी रूम, नॉन एसी रूम की दो श्रेणियों वाले सुइट रूम शामिल हैं। जो एक बेहतरीन विकल्प है। उन्होंने बताया कि इसमें यात्री और यहां तक कि आम लोग भी अपेक्षाकृत सस्ती दरों पर आधुनिक विश्राम सुविधाओं के साथ श्री स्टार फैमिली रेस्तरां की पाक कला की भी उत्कृष्टता का लाभ उठाकर आनंद ले सकते हैं।

जाम नदी गहरीकरण कार्य का निरीक्षण किया जाए : चरणसिंह ठाकुर

कोंढाली.

कोंढाली नगर पंचायत के प्रवेश द्वार पर स्थित जाम नदी, जो कोंढाली व काटोल तहसील की जीवनवाहिनी मानी जाती है, इन दिनों गहरीकरण और सीधाकरण कार्यों को लेकर चर्चा में है। वर्तमान में जल संसाधन विभाग के माध्यम से इस नदी के गहरीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। लेकिन इस कार्य में कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्र छूट जाने पर स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों में असंतोष देखा जा रहा है।

काटोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक चरणसिंह ठाकुर ने इस संदर्भ में घटनास्थल का निरीक्षण कर उचित दिशा-निर्देश देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जाम नदी का गहरीकरण और सौंदर्यीकरण केवल सरकारी काम नहीं है, इसमें सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता आवश्यक है।

विधायक ठाकुर ने जानकारी दी कि वर्तमान में नदी को गहरा और सीधा करने का कार्य किया जा रहा है, लेकिन कोंढाली और दुधाला के पास लगभग 50-60 मीटर के क्षेत्र में नदी के मध्य भाग का गहरीकरण नहीं किया गया है। यह कार्य अधूरा होने के कारण भविष्य में जलप्रवाह में बाधा आ सकती है और बाढ़ का खतरा बना रह सकता है।

स्थानीय किसानों और नागरिकों का कहना है कि नदी

के किनारों पर बनाई गई मिट्टी-मिश्रित रेत की सुरक्षात्मक कवच बाढ़ के दौरान नदी में बहकर फिर से मध्य प्रवाह में जमा हो जाती है, जिससे गहरीकरण का उद्देश्य अधूरा रह जाता है। इस विषय पर जब जल संसाधन विभाग के कार्यकारी अभियंता (ई.ई.) मस्कावार से जानकारी मांगी गई, तो उन्होंने मामले की जांच कर जानकारी देने की बात कही।

स्थानीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने जल संसाधन विभाग एवं विधायक चरणसिंह ठाकुर से घटनास्थल का निरीक्षण कर जल्द से जल्द उचित निर्णय लेने की मांग की है, ताकि जाम नदी का गहरीकरण, सीधाकरण और सौंदर्यीकरण कार्य पूरी तरह से प्रभावी और सुरक्षित तरीके से सम्पन्न हो सके।

वाड़ी में विशेष महाराजस्व समाधान शिविर का आयोजन

> एक ही स्थान पर मिलेंगे आवश्यक प्रमाणपत्र और दस्तावेज
> नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में शिविर में शामिल होने की अपील

वाड़ी.

महाराष्ट्र शासन के छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व समाधान शिविर अभियान के अंतर्गत वाड़ी नगर परिषद क्षेत्र के नागरिकों को विभिन्न सरकारी दस्तावेज व प्रमाणपत्र एक ही स्थान पर सरल और सुलभ रूप से उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर तहसीलदार (ग्रामीण) नागपुर के निर्देशानुसार 5 जून 2025, गुरुवार को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक वाड़ी नगर परिषद कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। शिविर में नागरिकों को निम्नलिखित दस्तावेजों और सेवाओं का लाभ एक ही छत के नीचे मिलेगा: जन्म प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र, रहिवासी प्रमाणपत्र, आय प्रमाणपत्र, 7/12 दस्तावेज, नामांतरण, बिननाम फेरफार, अधिवास प्रमाणपत्र, आधार सीडिंग इत्यादि। इस शिविर में तालुका स्तर के अधिकारी व संबंधित विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहेंगे, ताकि लोगों को तत्काल सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इस अवसर पर वाड़ी नगर परिषद की मुख्याधिकारी डॉ. ऋचा धाबर्डे प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगी। वाड़ी नगर परिषद की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस शिविर में शामिल होकर विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ उठाएं और अपने आवश्यक दस्तावेज सहजता से प्राप्त करें।

सुराबर्डी में अतिक्रमण विवाद गरमाया

हाईकोर्ट से मिले स्टे के बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई टली

वाड़ी.

सुराबर्डी की जूनी बस्ती में बुधवार को अतिक्रमण हटाने को लेकर पूरे दिन तनाव का माहौल बना रहा। तहसीलदार बालासाहब टेले पुलिस बल के साथ हाईकोर्ट के आदेश पर तीन घरों को तोड़ने पहुंचे थे, लेकिन पीड़ित परिवारों द्वारा अंतिम समय में कोर्ट से स्थगनादेश (स्टे) लाने पर कार्रवाई रोक दी गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, खेतमालक नितिन शेंद्रे ने अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसके चलते तीन मकानों और एक मंदिर के हिस्से को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। ये मकान दयाराम बोटरे, निलकंठ माकोरे (वर्तमान निवासी भगवान राऊत), और किसान गणपत राऊत के परिवारों के हैं, जो करीब 1984 से यहां रह रहे हैं। इन घरों में कुल 24 सदस्य रहते हैं। पीड़ितों का कहना है कि उन्होंने संबंधित योजनाओं के तहत

वैध रूप से घर प्राप्त किए थे. दयाराम बोटरे को 1987-88 में इंदिरा गांधी आवास योजना और अन्य को 2010-11 में घरकुल योजना के तहत। उनके पास घर टैक्स की रसीदें और अन्य जरूरी दस्तावेज भी मौजूद हैं।

प्रशासन ने 3 जून तक मकान खाली करने का नोटिस भेजा था। 4 जून को जब पुलिस बल के साथ कार्रवाई शुरू हुई तो स्थानीय नागरिकों में आक्रोश फैल गया और प्रशासन व नागरिकों के बीच तीखी बहस हुई। दोपहर करीब चार बजे पीड़ित परिवार नागपुर हाईकोर्ट से 6 जून तक का स्टे लेकर आए, जिससे प्रशासन को कार्रवाई रोकनी पड़ी।

पीड़ितों की मांग है कि यदि अतिक्रमण हटाना ही है, तो पहले उन्हें वैकल्पिक स्थायी आवास उपलब्ध कराया जाए। एक पीड़ित ने कहा, "पहले घर दिया, अब तोड़ने आ गए—यह सीधा अन्याय है।"

फिलहाल मामला कोर्ट में विचाराधीन है और अगली कार्रवाई हाईकोर्ट के आदेश एवं प्रशासन की नीति पर निर्भर करेगी। वहीं सूराबर्डी में प्रशासन और नागरिकों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है।

वैश्विक पर्यावरण दिवस पर महावितरण का 'हरित' संकल्प

> पर्यावरण सुरक्षा के लिए अग्रसर ऊर्जा संगठन

नागपुर.

'अपनी धरती, हमारा भविष्य' इस थीम के साथ इस वर्ष वैश्विक पर्यावरण दिवस देशभर में उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। महाराष्ट्र की प्रमुख विद्युत वितरण कंपनी महावितरण ने इस अवसर पर पर्यावरण सुरक्षा के लिए अनेक महत्वाकांक्षी कदम उठाते हुए 'हरित ऊर्जा, हरित महाराष्ट्र' के लक्ष्य की ओर ठोस पहल की है। जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों की क्षति जैसी वैश्विक समस्याओं के मद्देनज़र ऊर्जा क्षेत्र की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। इसी जिम्मेदारी को निभाते हुए महावितरण ने केवल बिजली आपूर्ति तक सीमित न रहते हुए पर्यावरण संरक्षण में भी सक्रिय भूमिका निभाई है।

महावितरण के प्रमुख पर्यावरणीय उपक्रम:

सौर ऊर्जा को बढ़ावा: महावितरण ने घरेलू एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को रूफटॉप सोलर प्रोजेक्ट लगाने के लिए प्रेरित किया है। नेट-मीटरिंग

नीति के तहत ग्राहक अपनी खुद की बिजली बना सकते हैं और बची हुई बिजली महावितरण को बेच सकते हैं। इससे कोयला आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता घटती है और कार्बन उत्सर्जन में कमी आती है। किसानों के लिए मुख्यमंत्री सौर कृषी वाहिनी योजना और मागेल त्याला सौर पंप योजना भी पूरे राज्य में प्रभावी रूप से लागू की गई है।

हरित ऊर्जा खरीद समझौते: महावितरण ने पवन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं से बड़ी मात्रा में हरित ऊर्जा खरीदने के समझौते किए हैं, जिससे पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों पर दबाव कम हो रहा है।

गो-ग्रीन पहल: 'कागज़ बचाओ, पर्यावरण बचाओ' इस उद्देश्य से महावितरण की गो-ग्रीन सेवा शुरू की गई है।

अब इस सेवा के अंतर्गत ग्राहकों को पहले की तरह हर माह 10 रुपये की छूट की बजाय, पहले बिल में एकमुश्त 120 रुपये की छूट दी जा रही है, जिससे अधिक ग्राहक डिजिटल बिलिंग को अपनाएं।

ऊर्जा बचत अभियान: महावितरण समय-समय पर जनजागरूकता अभियान चलाकर उपभोक्ताओं से ऊर्जा की बचत करने की अपील करता है। एलईडी बल्बों का उपयोग, उचित उपकरणों का चयन और अनावश्यक बिजली खपत से बचना – ऐसे उपायों के ज़रिये ऊर्जा की बचत और पर्यावरण का संरक्षण संभव है।

ई-वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन : प्रदूषण घटाने और ई-वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए महावितरण राज्यभर में चार्जिंग स्टेशनों का नेटवर्क तैयार कर रहा है। इससे शुद्ध परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण को गति मिलेगी।

वृक्षारोपण और जैवविविधता संरक्षण : महावितरण ने अपने विभिन्न कार्यालयों और उपकेंद्रों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया है। इससे वातावरण शुद्ध होता है और स्थानीय जैवविविधता का संरक्षण होता है। महावितरण ने जागतिक पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाराष्ट्र के सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए कटिबद्ध रहने की अपील की है। बिजली की बचत करना, सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना, कचरा प्रबंधन में सावधानी बरतना और अधिक से अधिक पेड़ लगाना – ये हर नागरिक का नैतिक कर्तव्य है।

महावितरण न केवल एक विद्युत वितरण कंपनी है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा करने वाली जवाबदार संस्था भी है। उनके इन हरित उपक्रमों से निश्चित रूप से "हरित महाराष्ट्र" और आगे चलकर "हरित भारत" का सपना साकार होगा – ऐसा विश्वास संस्था ने व्यक्त किया है।

क्रेडिट कार्ड पर भरोसा पड़ा महंगा

> 5 लोगों से हुई 10 लाख की ठगी

नागपुर.

शांतीनगर थाना क्षेत्र में एक ठगी का मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक व उसके चार अन्य दोस्तों से 10.37 लाख की आर्थिक धोखाधड़ी की गई। आरोपी ने निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर पीड़ित और उसके परिजनों के क्रेडिट कार्ड से इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं खरीद कर विश्वासघात किया। पीड़ित सचिन रमेश गिरी (32 वर्ष), निवासी प्लॉट नं. 142, रामसुमेर बाबानगर, कावरापेठ निवासी बताये जा रहे हैं। सचिन बैंक फाइनेंस का काम करते हैं। पुलिस में दी शिकायत में उन्होंने बताया कि उनकी पहचान आरोपी विशाल लखाराम खामेचा (उम्र 29 वर्ष) सिंधी कॉलनी, खामला से हुई थी। आरोपी ने पीड़ित को यह विश्वास दिलाया कि वह क्रेडिट कार्ड से महंगी इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं खरीद कर भारी छूट में बेचता है और उससे मुनाफा कमाता है। विश्वास अर्जित करने के लिए आरोपी ने प्रारंभ में कुछ लेन-देन कर लाभ भी दिलाया, लेकिन इसके बाद पीड़ित और उनके परिजनों सहित अन्य दोस्तों के क्रेडिट कार्ड से कुल 10.37 लाख की वस्तुएं खरीदीं और न तो उनका भुगतान किया और न ही कोई लाभ दिया। इस तरह आरोपी ने जानबूझकर विश्वासघात कर आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाया। शिकायत की जांच के बाद शांतीनगर पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बिजली कनेक्शन में देरी से किसानों को भारी नुकसान

'किसान अधिकार अभियान' ने सौंपा जिला कलेक्टर को ज्ञापन

वर्धा.

जिले के किसानों को दो साल बाद भी बिजली कनेक्शन नहीं मिलने से भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी को समय पर आवेदन और पूरी राशि का भुगतान करने के बावजूद किसानों को अब तक बिजली कनेक्शन नहीं मिला है। इस लापरवाही के विरोध में 'किसान अधिकार अभियान, वर्धा' ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया है कि बिजली की अनुपलब्धता के कारण किसानों को सिंचाई नहीं मिल पाई, जिससे फसल उत्पादन में गिरावट आई है। वैकल्पिक उपाय जैसे डीजल पंप और जनरेटर से लागत बढ़ गई है। समय पर बुवाई न होने के कारण किसानों को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा है। साथ ही, यह स्थिति किसानों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के रूप में भी देखी जा रही है।

'किसान अधिकार अभियान' ने आरोप लगाया है कि एमएसयडीसीएल विभाग किसानों को सोलर पंप लेने के लिए मजबूर कर रहा है। यदि किसान सोलर पंप नहीं लेते, तो उनके कनेक्शन में जानबूझकर देरी की जाती है। अभियान ने इसे अन्यायपूर्ण बताते हुए कहा कि यह किसानों के मानसिक और प्रशासनिक उत्पीड़न का मामला है। ज्ञापन की प्रति वर्धा लोकसभा क्षेत्र के सांसद अमर काले और एमएसएडीसियल, वर्धा डिवीजन के अधीक्षक अभियंता को भी भेजी गई है। अभियान के कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो किसान तीव्र आंदोलन छेड़ेंगे। इस अवसर पर किसान अधिकार अभियान के मुख्य प्रेरक एड. अविनाश काकड़े, अध्यक्ष सुदाम पवार, आयोजक गोपाल दुधाने, सचिव प्रफुल्ल कुकड़े, उपाध्यक्ष विट्ठल झाड़े, प्रा. प्रवीण भोयर, चंद्रकांत ढगे, अमोल ठाकरे, प्रवीण कांबले, अरुण गोड़े, प्रफुल्ल भैस, विशाल खोबे और गुरुदेव वैरागड़े उपस्थित थे। किसानों ने स्पष्ट किया है कि उनके अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

ज्ञापन में किसानों की प्रमुख मांगें निम्नलिखित हैं:

- सभी लंबित बिजली कनेक्शन तुरंत प्रदान किए जाएं।
- किसानों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की जाए।
- सोलर पंप लेने के लिए बाध्य न किया जाए, बल्कि किसानों को विकल्प चुनने की स्वतंत्रता दी जाए।
- देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।
- भविष्य में इस तरह की लापरवाही रोकने के लिए नीतिगत बदलाव किए जाएं।

बस ने ट्रैक्टर को टक्कर मारी, ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत

भंडारा.

गोंदिया से नागपुर जा रही एक बस भंडारा जिले की साकोली तहसील के बिरसी फाटा में एक ट्रैक्टर से टकरा गई। नियंत्रण खोने के बाद ट्रैक्टर सड़क के नीचे जाकर एक पेड़ से टकरा गया। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृत ट्रैक्टर चालक की पहचान 45 वर्षीय लेकचंद कपगते के रूप में हुई है। बस में सवार यात्रियों को मामूली चोटें आईं तथा बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। इसकी सूचना साकोली पुलिस को दे दी गई है और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की। ट्रैक्टर चालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए साकोली के ग्रामीण अस्पताल भेज दिया गया है।

अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी जयंती पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

मोहनबाबू अग्रवाल बोले – 'शिक्षा का स्तर ही राष्ट्र की प्रगति का पैमाना है'

वर्धा.

राजमाता अहिल्यादेवी होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में स्थानीय अहिल्यादेवी होलकर हॉल में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के 12वीं कक्षा की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 40 मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी एवं उद्यमी मोहनबाबू अग्रवाल ने की। अपने अध्यक्षीय भाषण में उन्होंने कहा, "किसी भी देश की प्रगति उसके नागरिकों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है और गुणवत्तापूर्ण नागरिक तैयार करने के लिए अच्छी शिक्षा अनिवार्य है। शिक्षा का स्तर ही किसी भी राष्ट्र की प्रगति का असली पैमाना है।"

मुख्य अतिथि प्राचार्य सतीश जगताप ने अपने उद्बाटन भाषण में युवाओं को प्रतिस्पर्धात्मक युग की चुनौतियों के लिए तैयार रहने की सलाह दी। समाजसेवी इमरान राही ने विद्यार्थियों से अपने भीतर छिपे कौशल को पहचानने और उसे विकसित कर समाज में विशेष पहचान बनाने का आह्वान किया। पूर्व मुख्याध्यापक रामेश्वर लांडे ने विद्यार्थियों को देश के अच्छे प्रशासक बनकर सेवा करने की शुभकामनाएं दीं। वहीं कैप्टन मोहन गुजरकर ने युवाओं को सेना में अधिकारी बनने के लिए प्रेरित करते हुए देश सेवा का महान अवसर अपनाने की अपील की। समाजसेविका हसीना गोरडे ने राजमाता अहिल्यादेवी होलकर के जीवन से प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए विद्यार्थियों को चरित्रवान और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। प्रा. राजू गोरडे, अध्यक्ष - राजमाता अहिल्यादेवी होलकर सामाजिक संस्था, ने कार्यक्रम का परिचय प्रस्तुत करते हुए युवाओं से अपील की कि वे अहिल्यादेवी की तरह एक आदर्श प्रशासक और समाजसेवी बनने का संकल्प लें। कार्यक्रम का संचालन श्रद्धा संत ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन प्रा. राजेंद्र बानमारे ने किया। कार्यक्रम की सफलता में जीतेन्द्र गोरडे, सुधाकर उघडे, नितिन सुले और नजीर शेख ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आयोजन के माध्यम से राजमाता अहिल्यादेवी होलकर की स्मृति को नमन करते हुए शिक्षा और सेवा के मूल्यों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

मेलघाट में टैंकर से जलापूर्ति

खड़ीमल गांव में पानी भरने के लिए जुटती है भारी भीड़

अमरावती. अमरावती के मेलघाट में 11 गांवों में अभी भी 20 टैंकरों से जलापूर्ति की जा रही है। पीने के पानी के लिए टैंकरों पर भारी भीड़ जमा हो रही है। खडीमल गांव में पानी की सबसे ज्यादा कमी है। आजादी के कई वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन सरकार की जलापूर्ति योजना इस गांव तक नहीं पहुंच पाई है। यह अमरावती शहर से 115 किलोमीटर दूर है। खडीमल गांव की आबादी 2,000 है। लेकिन अभी तक इस गांव में सरकारी जलापूर्ति योजना लागू नहीं हो पाई है। गांव में टैंकर से पानी की आपूर्ति की जाती है। हालाँकि, हर दो दिन में यहाँ आने वाले टैंकर अपर्याप्त हैं। अगर गांव में कोई टैंकर आ जाए तो वह तुरंत खाली हो जाता है। मेलघाट में जल की कमी और खड़ीमल गांव में जलापूर्ति योजना कब शुरू होगी। अधिकारियों का कहना है कि महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण विभाग के तहत जल जीवन मिशन के तहत इस स्थान पर काम चल रहा है। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण विभाग के अधीक्षण अभियंता विवेक सोलंकी ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण विभाग के कार्यकारी अभियंता विवेक सोलंकी ने दावा किया कि मेलघाट के खड़ीमल गांव में जलापूर्ति योजना जून तक पूरी हो जाएगी।

एनसीसी व्यक्तित्व का विकास करती है: कर्नल घोष

> 450 कैडेटों के साथ एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर आरंभ

वर्धा.

सेवाग्राम स्थित बापूराव देशमुख फाउंडेशन छात्रावास में 21 महाराष्ट्र एनसीसी बटालियन द्वारा आयोजित एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर एवं सेना शिविर तैयारी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। यह शिविर 3 जून से 12 जून तक दस दिनों तक चलेगा, जिसमें कुल 450 एनसीसी कैडेट – लड़के और लड़कियाँ – भाग ले रहे हैं।

शिविर के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कमांडिंग ऑफिसर कर्नल समीक घोष उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा, "एनसीसी न केवल शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण देती है, बल्कि नेतृत्व क्षमता, साहस, देशभक्ति और सेवा भावना जैसे गुणों का भी विकास करती है। यह एक व्यक्ति को एक आदर्श और जिम्मेदार नागरिक बनाती है।" इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल नवनीत थापा और सूबेदार मेजर दिलबाग सिंह मंच पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं परिचय एनसीसी अधिकारी कैप्टन मोहन गुजरकर ने किया। शिविर के सफल संचालन में मेजर वैशाली पाटिल, महिला प्रशिक्षक साधना पाल, कैप्टन बंसोड़, एनसीसी अधिकारी गोपाल खंडागले, सूबेदार प्रमोद घोरपड़े, नायब सूबेदार यशवंत सिंह, हरविंदर सिंह, विजयकुमार, प्रशिक्षण विभाग प्रमुख नायब सूबेदार नीरज कुमार, बटालियन हवालदार मेजर भीमराव जाधव एवं सेना के अन्य प्रशिक्षकों की अहम भूमिका है। यह प्रशिक्षण शिविर कैडेटों में अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्रसेवा की भावना को जाग्रत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कांग्रेस को एक और बड़ा झटका

एनसीपी में शामिल होने की चर्चा

> दिलीप कुमार सानंद ने दिया इस्तीफा

बुलढाणा.

बुलढाणा जिले में कांग्रेस पार्टी का संकट बढ़ता जा रहा है। पिछले तीन महीनों में कांग्रेस पार्टी के कई बड़े नेता इस जिले से बाहर हो चुके हैं। विभिन्न कारणों से लोग पार्टी भाजपा और शिवसेना में शामिल हो रहे हैं। इस बीच, जिले के खामगांव विधानसभा क्षेत्र से पूर्व कांग्रेस विधायक दिलीप कुमार सानंद भी कांग्रेस पार्टी को अलविदा कहने जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि सानंद अजित पवार की उपस्थिति में अगले सप्ताह एक भव्य समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल होंगे और उनके साथ निर्वाचन क्षेत्र के 25,000 कार्यकर्ता भी पार्टी में शामिल होंगे। इस बीच जानकारी मिली है कि पूर्व विधायक दिलीप कुमार सानंद ने आज कांग्रेस पार्टी की सक्रिय सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

12 जून को खामगांव शहर में अजित पवार की उपस्थिति में पदभार ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस भव्य समारोह में पूर्व विधायक दिलीप कुमार सानंद समेत 25 हजार कार्यकर्ता राकांपा में शामिल होंगे। सानंद कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में से एक हैं और उन्होंने लगातार 15 वर्षों तक विधायक के रूप में खामगांव विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है।

अमरावती-मुंबई फ्लाइट टिकट की कीमत में साढ़े 17 हजार रुपये से अधिक की बढ़ोत्तरी

> आम नागरिकों के सफर का दावा नजर आ रहा खोखला

अमरावती.

जब अमरावती से एयरलाइन सेवा शुरू की गई थी, तो दावा किया गया था कि आम लोग भी उड़ान का आनंद ले सकेंगे। लेकिन अब इस दावे का खोखला नजर आ रहा है। 9 जून को अमरावती-मुंबई के लिए टिकट की कीमत में 17,850 की वृद्धि हुई है। किराए में इतनी वृद्धि के कारण ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि आम यात्रियों के साथ-साथ धनी लोग भी यात्रा नहीं कर पाएंगे।

अमरावती-मुंबई उड़ान सेवा का शुभारंभ करते समय, एमएडीसी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की थी कि क्षेत्रीय उड़ान योजना के तहत अमरावती-मुंबई उड़ान सेवा का टिकट सभी करों सहित 2,499 रुपये होगा। इसके साथ ही, एटीआर 72 विमान की 72 सीटों में से 36 का प्रभार सरकार के पास होगा, जबकि एलायंस एयर 36 सीटों का प्रभार लेगी तथा क्षेत्रीय उड़ानों पर उड़ान भरने और उतरने पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। लेकिन यह फ्लाइट टिकट हमेशा महंगी होती है।

अभी तक मुंबई-अमरावती फ्लाइट का किराया 8 से 9 हजार रुपये था। लेकिन अब 9 जून की मुंबई टिकट 17,850 रुपये है। आरोप यह भी है कि विमान में कई सीट खाली रहती हैं।

ऐसे में इस उड़ान के दौरान टिकट की कीमत में उतार-चढ़ाव क्यों किया जा रहा है? कुछ दिन पहले नितिन मोहोड ने आरोप लगाया था कि अगर फ्लाइट टिकटों पर जानबूझकर ऊंची दरें वसूली गईं तो यात्रियों की संख्या में कमी आएगी और इस कारण बीमा सेवाएं बंद होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

सोनेगांव फाटा के पास अवैध रेत परिवहन पर कार्रवाई

तीन टिप्पर जब्त, 55.70 लाख रुपए का माल ज़ब्त

हिंगनघाट.

अल्लीपुर पुलिस थाने के अंतर्गत धोत्रा-वर्धा मार्ग पर अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे तीन टिप्परों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। उपविभागीय पुलिस अधिकारी (पुलगांव) राहुल चव्हाण के मार्गदर्शन में पुलिस दल ने 1 जून की शाम करीब 4 बजे सोनेगांव फाटा के पास नाकाबंदी कर यह कार्रवाई की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि धोत्रा मार्ग से वर्धा की ओर अवैध रेत ले जाई जा रही है। इसी आधार पर पुलिस टीम ने नाकाबंदी की योजना बनाई। कुछ ही समय में तीन टिप्पर संदिग्ध रूप से आते दिखाई दिए, जिन्हें रोककर तलाशी ली गई। जांच में तीनों टिप्परों में बिना रॉयल्टी की काली रेत पाए जाने पर वाहन चालकों से पूछताछ की गई, लेकिन वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए तीनों टिप्पर, उनमें लदी रेत और संबंधित छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जब्त माल की कुल कीमत 55 लाख 70 हजार रुपए आंकी गई है।

इस कार्रवाई से अवैध रेत तस्करों में हड़कंप मच गया है। पुलिस द्वारा आगे भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

युवक पर दिनदहाड़े चार लोगों ने धारदार शस्त्रों से हमला कर उतारा मौत के घाट

यवतमाल.

बाइक मरम्मत कराने आए एक युवक पर चार लोगों ने धारदार शस्त्रों से हमला कर दिया। हमले में युवक की पीठ, छाती और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। इसके बाद वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ा और कुछ ही क्षणों में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। नृशंस हत्या की यह गंभीर घटना पूनम चौक स्थित यवतमाल वन रिजर्व कार्यालय के सामने घटी, जिससे भारी हड़कंप मच गया।

बेरहमी से मारे गए युवक का नाम मनीष उर्फ मान्या शेंद्रे (28) है, जो सेजल रेजीडेंसी में रहता था। वह बाइक मरम्मत के लिए यवतमाल वनपरिक्षेत्र कार्यालय और जिला स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के बीच पक्की सड़क पर पूनम चौक स्थित गैराज में आया था। हमलावरों को पहले से ही अंदाजा था, उनमें से दो पहले से ही एक ऑटोरिक्शा में बैठे थे, जबकि अन्य दो एक अपंजीकृत दोपहिया वाहन पर वहां पहुंचे। इसके बाद उन्होंने मनीष पर धारदार चाकू और तलवार से हमला कर दिया। हमले में उसकी छाती, पीठ, चेहरे, सिर और गर्दन पर गंभीर चोटें आईं। उसने भागने की कोशिश की, लेकिन वह जिला स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के पिछले प्रवेश द्वार के पास गिर गया। फिर वह फिर उठा और वन कार्यालय जाते समय वहां भी गिर गया। इस बार, हत्यारों ने देखा कि वह जीवित है और उन्होंने उस पर दोबारा हमला किया। कुछ ही क्षणों में वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही शहर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को इस घटना में एक साल पहले हुई हत्या का बदला लिए जाने का शक है। करीब एक साल पहले मृतक मान्या ने कळंब चौक में एक लड़की से छेड़छाड़ के मामले को लेकर देसी पिस्तौल से फायरिंग की थी। इस गोलीबारी में एक निर्दोष युवक की जान चली गई। इसके बाद पुलिस ने मान्या को हत्या के एक मामले में गिरफ्तार कर लिया था। कुछ महीने पहले ही वह जमानत पर जेल से रिहा हुआ था। पुलिस को संदेह है कि हमलावरों ने उसका पीछा किया होगा और उसकी हत्या कर दी होगी।

हिंगनघाट तहसील कार्यालय में ट्रैक्टर मालिक ने किया आत्मदाह का प्रयास

> प्रशासनिक अत्याचार के खिलाफ जताया विरोध

हिंगनघाट.

शहर के तहसील कार्यालय में एक सनसनीखेज घटना घटी, जब ट्रैक्टर मालिक छोटू दिलीपराव वानखेड़े ने तहसीलदार योगेश शिंदे के कार्यालय में खुद पर डीजल डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया। समय पर कर्मचारियों की सतर्कता से एक बड़ा हादसा टल गया।

अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप : छोटू वानखेड़े का आरोप है कि तहसील कार्यालय के अधिकारियों द्वारा लगातार उसे परेशान किया जा रहा था। नायब तहसीलदार सागर कांबळे द्वारा बार-बार उसका ट्रैक्टर जब्त किया जा रहा था, जबकि अन्य ट्रैक्टर मालिकों को राजनीतिक दबाव के चलते छोड़ा जा रहा है। छोटू ने तहसीलदार के नाम दिए ज्ञापन में आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है, जिससे आहत होकर उसने आत्मदाह जैसा कदम उठाया।

कर्मचारियों की सतर्कता से टला हादसा : घटना के समय मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत छोटू के हाथ से माचिस की डिब्बी छीन ली और उसे पकड़ लिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। इस घटना के बाद परिसर में हड़कंप मच गया।

आर्थिक तंगी और न्याय की मांग: छोटू वानखेड़े ने बताया कि उसने ब्याज पर पैसे लेकर ट्रैक्टर खरीदा था और यह उसका एकमात्र जीविका का साधन है। लगातार ट्रैक्टर की जब्ती और प्रशासनिक उत्पीड़न के कारण उसकी आर्थिक स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। ज्ञापन में उन्होंने लिखा है कि, "इन भ्रष्ट अधिकारियों की वजह से मैं मानसिक रूप से परेशान हूं, इसलिए आत्मदाह करने का निर्णय लिया।"

किसके दबाव में है प्रशासन? : इस घटना ने हिंगणघाट के राजस्व प्रशासन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ज्ञापन में यह भी पूछा गया है कि आखिर कौन-सा राजनीतिक नेता प्रशासन पर दबाव बना रहा है, जिससे अन्य ट्रैक्टर मालिकों को बख्शा जा रहा है?

पुलिस ने की कार्रवाई : घटना के तुरंत बाद पुलिस ने छोटू वानखेड़े को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है। वहीं, अब यह सवाल उठ रहा है कि प्रशासन इस मामले में दोषी अधिकारियों पर क्या कार्रवाई करेगा?

प्रत्यक्ष बयान : छोटू वानखेड़े ने प्रतिनिधि से बातचीत में बताया, "नायब तहसीलदार सागर कांबले बजट ले लेने के बाद भी बार-बार मेरे ट्रैक्टर पर कार्रवाई कर रहे हैं, जबकि अन्य लोगों की गाड़ियाँ छोड़ दी जाती हैं। मेरे पास इसका वीडियो फुटेज भी है। क्या प्रशासन इस वीडियो की जांच करेगा और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई करेगा?"

यह घटना न केवल एक व्यक्ति की पीड़ा को दर्शाती है, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। अब देखना यह होगा कि क्या सरकार और प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच और उचित कार्रवाई करेंगे?

अमरावती में 41 हजार महिलाओं की हुई ऑन रोड डिलीवरी

अमरावती.

जिले में आपात चिकित्सा सेवा के रूप में कार्यरत '108 एम्बुलेंस' अब महज एम्बुलेंस नहीं, बल्कि मोबाइल जीवन रक्षक इकाई बन चुकी है। अब तक जिले के 4 लाख 27 हजार 926 नागरिकों ने इस सेवा का लाभ उठाया है, जिसमें दुर्गम मेलघाट क्षेत्र के 1 लाख 32 हजार 864 नागरिक भी शामिल हैं। सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि आपातकालीन स्थिति में गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाते समय 108 एम्बुलेंस में ही 41 हजार 316 प्रसव सफलतापूर्वक कराए गए हैं। यही वजह है कि अब यह सेवा "मोबाइल प्रसूति अस्पताल" के रूप में भी पहचानी जा रही है। एम्बुलेंस सेवा न केवल प्रसूति में बल्कि 19 हजार 474 सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समय पर इलाज पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा चुकी है। वहीं, हृदयघात जैसी गंभीर स्थितियों में 5 हजार 558 मरीजों को तत्क्षण सेवा, और जलन से पीड़ित 1 हजार 340 नागरिकों को भी इस एम्बुलेंस सेवा ने राहत दी है। राज्य सरकार की इस मुफ्त सेवा का संचालन सेंट्रलाइज सिस्टम के माध्यम से किया जाता है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में कुछ ही मिनटों में एम्बुलेंस मरीज के पास पहुंचती है। दुर्गम क्षेत्रों से लेकर शहर की गलियों तक, 108 एम्बुलेंस आज अमरावती जिले की हर सांस से जुड़ चुकी है। ये सेवा न केवल लोगों की जान बचा रही है, बल्कि आशा, सुरक्षा और भरोसे का प्रतीक बन गई है।

21 जुलाई से शुरू होगा संसद का मानसून सत्र

नई दिल्ली.

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा. केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को इस बात का ऐलान किया है. उन्होंने बताया कि मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो कर 12 अगस्त तक चलेगा. जानकारी के मुताबिक, ऑपरेशन सिंदूर पर भी सरकार नियमों के तहत चर्चा करने को तैयार हो गई है. तीन महीने से ज्यादा के ब्रेक के बाद संसद के दोनों सदन 21 जुलाई को सुबह 11 बजे बुलाए जाने वाले हैं. इससे पहले संसद का बजट सत्र इस साल 31 जनवरी को शुरू हुआ था. लोकसभा और राज्यसभा दोनों को 4 अप्रैल को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था, जिससे 2025 का पहला संसद सत्र समाप्त हो गया था.

ऑपरेशन सिंदूर पर होगी चर्चा : रिजिजू ने बताया कि सत्र के दौरान ऑपरेशन सिन्दूर पर चर्चा होगी. केंद्रीय मंत्री ने कहा, हर सत्र खास होता है और हम ऑपरेशन सिन्दूर सहित सभी मुद्दों पर चर्चा करेंगे. उन्होंने आगे कहा, सरकार चाहती है कि सभी को साथ लिया जाए – हमने विपक्ष से संपर्क किया है और उम्मीद है कि हर कोई एकजुट रुख अपनाएगा. रिजिजू ने कहा, नियमों के तहत, सभी मुद्दों पर मानसून सत्र के दौरान चर्चा होगी.

ऑपरेशन सिंदूर पर नहीं होगा विशेष सत्र : जहां एक तरफ विपक्ष लगातार सरकार से ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही थी. 16 दलों ने पीएम मोदी को मंगलवार को पत्र लिखे थे. वहीं, दूसरी तरफ सरकार ने इसी बीच मानसून सत्र की तारीख का ऐलान कर दिया है. इसी के साथ यह भी बता दिया गया है कि विपक्ष की लगातार मांग के बाद भी ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष सत्र नहीं होगा. विपक्ष लगातार ऑपरेशन सिंदूर, सीजफायर और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से किए जा रहे दावों को लेकर स्पेशल सत्र बुलाने की मांग की जा रही थी और विपक्ष लगातार सरकार से सवाल पूछ रहा था. हालांकि, अब मानसून सत्र की तारीख का ऐलान कर दिया गया है. बुधवार को इंडिया गठबंधन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी. इस दौरान संसद का स्पेशल सत्र बुलाने की मांग की जा रही थी. दीपेंद्र हुड्डा ने कहा था, पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, सेना के शौर्य नमन के लिए, राष्ट्रपति ट्रंप की बयानबाजी पर उठ रहे सवालों को लेकर हमने संसद के विशेष सत्र की मांग की है. दुनिया को जानकारी दी जा रही है तो संसद को क्यों नहीं? इसी को लेकर रामगोपाल यादव ने भी कहा था, हमारी कूटनीति कैसी रही? कितने देश हमारे साथ आए? संजय राउत ने भी इस दौरान सवाल पूछा था कि राष्ट्रपति ट्रंप के कहने पर युद्ध विराम हो सकता है, तो देश के विपक्ष के कहने पर संसद का विशेष सत्र नहीं बुला सकते.

महाभियोग की कार्रवाई भी होगी पाकिस्तान पर होगी चर्चा : जानकारी के मुताबिक मानसून सत्र में पाकिस्तान पर चर्चा हो सकती है. इस समय पाकिस्तान को लेकर विपक्ष भी सरकार से कई सवाल पूछेगा और सदन में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भी सवाल पूछे जाने का अनुमान है. इसी के साथ सत्र, जो 23 दिनों तक चलेगा इस में प्रमुख विधेयकों की शुरूआत, उन पर चर्चा, राष्ट्रीय सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और ऑपरेशन सिन्दूर जैसे हालिया राष्ट्रीय विकास पर चर्चा होने की उम्मीद है.

पूरी : संसद के मॉनसून सत्र के दौरान ही जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई भी पूरी हो जाएगी. महाभियोग का प्रस्ताव सत्र के पहले हफ्ते में ही लाने की तैयारी है. जब सरकार की तरफ से विपक्षी दलों से महाभियोग को लेकर बात की जा रही है तो विपक्ष के नेता जस्टिस यादव के महाभियोग को लेकर जो विपक्ष की तरफ से प्रस्ताव दिया गया उस पर भी सवाल पूछ रहे हैं, जिसपर सरकार की तरफ से कहा जा रहा है कि ये राज्यसभा के सभापति के पास लंबित है, वो इसपर फैसला करेंगे.

एडीबी ने भारत के विरोध के बीच पाकिस्तान को दिये 800 मिलियन डॉलर

नई दिल्ली. भारत के कड़े विरोध के बावजूद एशियन डेवलेपमेंट बैंक (एडीबी) ने पाकिस्तान को 800 मिलियन डॉलर (लगभग 6,600 करोड़ रुपये) का राहत पैकेज मंजूर कर दिया है. यह फैसला ऐसे समय आया है जब एक महीने पहले ही पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से 1 अरब डॉलर (लगभग 8,500 करोड़ रुपये) की सहायता प्राप्त हुई थी.

सरकारी सूत्रों ने बताया कि भारत ने एशियन डेवलेपमेंट बैंक की ओर से पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता देने का कड़ा विरोध किया था, क्योंकि पाकिस्तान का आतंकवाद को वित्तीय मदद देना और उसका इतिहास भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय है.

भारत ने एडीबी के सामने यह भी तर्क दिया कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बेहद कमजोर स्थिति में है. उदाहरण के तौर पर, 2018 में जीडीपी के मुकाबले टैक्स राजस्व 13% था, जो 2023 में घटकर मात्र 9.2% रह गया है. इसके साथ ही रक्षा खर्च में लगातार वृद्धि भी भारत की चिंता का कारण है. भारत को आशंका है कि एडीबी और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से मिलने वाला कर्ज विकास कार्यों के बजाय सेना और हथियारों पर खर्च किया जा सकता है, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और बढ़ सकती है.

लगातार चोरियों से किसान परेशान

सौंसर.

मोहगांव क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से किसान परेशान हैं, वहीं स्थानीय पुलिस प्रशासन की निष्क्रियता को लेकर आम जनता के मन में असंतोष और संदेह की भावना पनप रही है। सोमवार और मंगलवार की रात मोहगांव नगर के खैरिपंथावाली और आसपास के क्षेत्रों में दर्जनों किसानों के खेतों को चोरों ने निशाना बनाया। सोमवार रात को दर्जनभर किसानों के खेतों से मोटर पंप के केबल, स्टार्टर और मीटर पेटी चोर उड़ा ले गए। किसानों ने तत्काल इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। मंगलवार रात को भी चोरी की वारदातें जारी रहीं। मोहगांव और खैरिपंथा क्षेत्र के किसान महादेव संतोकदास बांगड़े के खेत से लगभग 20 फीट केबल चोरी हो गई, साथ ही मीटर पेटी में तोड़फोड़ की गई। किसान भाऊराव बालपांडे समेत आधा दर्जन किसानों के खेतों में यूनिट, क्वाइल और अन्य उपकरण चोरों ने चुरा लिए। पीड़ित किसानों का कहना है कि उन्होंने पुलिस को बार-बार सूचना देने के बावजूद अब तक कोई गश्त या जांच शुरू नहीं की गई है। इससे ग्रामीणों में नाराज़गी है और वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर कब तक किसान इन चोरियों का शिकार होते रहेंगे और कब प्रशासन इन घटनाओं पर गंभीरता से ध्यान देगा। ग्रामीणों ने मांग की है कि क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

मरीजों को फल वितरित कर मनाया विधायक अग्रवाल का जन्मदिन

गोंदिया. गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद अग्रवाल का जन्मदिन एकोडी ग्राम पंचायत सदस्य नामदेव बिसेन द्वारा अनोखे तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर एकोडी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती मरीजों को फल वितरित किये गए। कार्यक्रम की मुख्य उपस्थिति में पूर्व सरपंच अशोक रिणाईत मौजूद थे। इस कार्यक्रम में पूर्व सरपंच अशोक रिणाईत, ग्राम पंचायत सदस्य नामदेव बिसेन, पत्रकार आरिफ़ पठान, जित्तु कनोजे, पिंटू बेहार, भल्लु कनोजे, अशोक कनोजे, डॉ. वैशाली बिसेन, डॉ. कोमल मेश्राम, डॉ. उमा हट्टेवार, डॉ. सुषमा सार्वे, राजेश तुमळाम, रंजना हरने, कुमुद तुरकर, आशिष सोनेवाने, अनिता बिसेन, रुची हुमने, प्रशांत मिश्रा, लेखराम रिणाईत, कमल दमाहे, वासुदेव बिसेन, दिनेश शेंडे, हंसराम पटले, विष्णु बिसेन, बालु वडीचार, कार्तिक वडीचार, ईश्वर बिसेन, सोनु रहांगडाले, पत्रकार राजेशकुमार तायवाडे समेत बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में एकोडी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों ने अथक प्रयास किए और इस सेवा भावना के आयोजन को सराहना मिली।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

> दो शराब तस्कर गिरफ्तार

सौंसर.

जिला कलेक्टर अजय देव शर्मा के निर्देश और जिला आबकारी अधिकारी अजीत इक्का के मार्गदर्शन में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। प्राप्त सूचना के आधार पर जाखावाड़ी फॉरेस्ट रेस्ट हाउस के पास सुबह-सुबह घेराबंदी कर एक स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी 28 एनडी 4222) को रोका गया। जांच में वाहन से 5 पेटियों में भरी 240 पाव ऑफिसर चॉइस व्हिस्की (विदेशी मदिरा) और एक पेटी में 50 पाव देशी प्लेन मदिरा बरामद की गई। कुल 290 पाव (52.2 बल्क लीटर) शराब को जब्त किया गया। इस मामले में दो आरोपियों हितेश पिता इंदर सिंह रेनवार और पवन पिता लक्षण साहू को मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2000) की धारा 34(1)(क), 34(2) एवं 47(क) के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है।

कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी जी.एल. मरावी, आबकारी आरक्षक जितेंद्र सिंह, उत्कर्ष ठाकरे तथा महिला आरक्षक भावना हेडाऊ शामिल रहे। आबकारी विभाग ने यह कार्रवाई अवैध शराब तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से की है।

मेलघाट में फिर बाघ का कहर, दो साल में तीसरी घटना

इंधन के लिए जंगल गए आदिवासी की मौत

अमरावती.

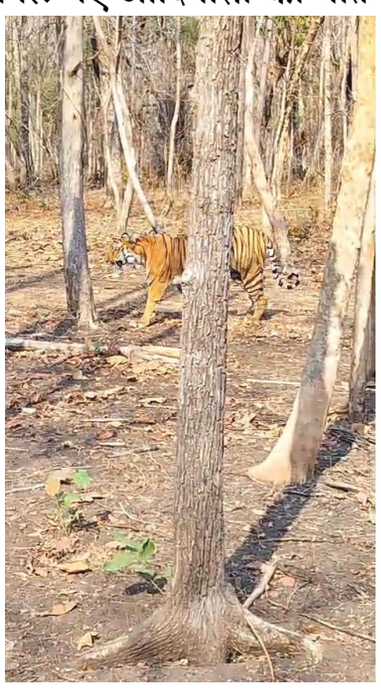

मेलघाट के हरीसाल वनक्षेत्र में एक बार फिर बाघ के हमले से आदिवासी व्यक्ति की जान चली गई। मन्नू जावरकर नामक व्यक्ति इंधन के लिए जंगल में गया था, जहां बाघ ने उस पर हमला किया। घटनास्थल पर केवल उसका सिर बरामद हुआ है। धारणी पुलिस और वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच चुके हैं। यह घटना शेवरीमुंडा वन क्षेत्र की है, जो व्याघ्र प्रकल्प क्षेत्र में आता है। पिछले दो वर्षों में वाघ के हमले में तीन लोगों की मौत हो चुकी है और दो घायल हुए हैं। हाल ही में दो महीने पहले केली गांव में भी एक युवक पर वाघ ने हमला किया था।

उत्साहपूर्वक मनाया माहेश्वरी समाज ने वंशोत्पत्ति दिवस

सौंसर.

महेश्वरी मंडल सौंसर के तत्वावधान में महेश्वरी समाज का वंशोत्पत्ति दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर प्रातःकाल भगवान महेश का विधिवत अभिषेक एवं पूजा-अर्चना की गई। धार्मिक अनुष्ठान के बाद समाजजनों के लिए विविध सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के महिला-पुरुषों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की और आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूरे आयोजन के दौरान सामाजिक एकता, सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक भावनाओं की अद्भुत झलक देखने को मिली। महेश्वरी समाज के वरिष्ठजनों ने युवाओं को अपने सांस्कृतिक मूल्यों और परंपराओं से जुड़ने का संदेश भी दिया।

राष्ट्रपति ने लद्दाख राजभाषा अधिनियम 2025 को दी मंजूरी

लेह.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लद्दाख राजभाषा अधिनियम 2025 पर मुहर लगा दी है. अब यह पूरे केंद्र शासित प्रदेश में लागू हो गया है. इस के तहत अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, भोटी और पुरगी भाषा को केंद्र शासित प्रदेश के सभी राजकीय उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली राजभाषाओं के रूप में मान्यता दी गई है. क्षेत्र की भाषाई और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाला यह एक ऐतिहासिक कदम है. यह निर्णय समावेशी शासन की दिशा में एक अहम बदलाव का प्रतीक है, जिसका मकसद लद्दाख की आबादी की बहुभाषी संस्कृति को बचाए रखना है. इससे लद्दाख की कई भाषाओं को बचाया जा सकेगा.

इस कदम से क्षेत्र की भाषाई विविधता की रक्षा की जा सकेगी और भाषा को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जाएंगे. कला, संस्कृति और भाषा अकादमी की स्थापना भी की जाएगी. स्थानीय समुदायों, सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं और एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन ने इस कदम का स्वागत किया है. इस पहल से जमीनी स्तर पर शासन को मजबूत करने, संचार में सुधार करने और लद्दाखियों के बीच अपनी मातृभाषाओं पर गर्व की भावना को नए सिरे से बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. केंद्र सरकार ने मंगलवार को लद्दाख के लिए नए नियमों को अधिसूचित किया है. जिससे स्थानीय लोगों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण, डोमिसाइल स्टेटस (डोमिकिले स्टेटस) के लिए 15 साल तक लद्दाख में रहना जरूरी है, महिलाओं के लिए पहाड़ी परिषदों में एक तिहाई सीटें आरक्षित करना और क्षेत्र के हितों की रक्षा के प्रयासों के तहत पांच आधिकारिक भाषाओं की अनुमति दी गई.

आरटीई प्रवेश में अनियमितता का आरोप

पालकों ने एसडीएम को सौंपी शिकायत

सौंसर.

ग्राम पंचायत जाम के अंतर्गत आश्रित ग्राम बेलगांव स्थित एक निजी शिक्षण संस्थान में आरटीई (निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के अंतर्गत बच्चों को प्रवेश नहीं देने को लेकर पालकों ने नाराजगी जताते हुए मंगलवार को अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) को शिकायत सौंपी। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग के अंतर्गत आते हैं और गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। वे अपने बच्चों को राज्य शासन द्वारा संचालित आरटीई योजना के तहत निजी स्कूल में शिक्षा दिलाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम बेलगांव की एक निजी शाला में प्रवेश हेतु सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन किया गया, लेकिन स्कूल प्राचार्य और संचालक द्वारा मात्र 20 विद्यार्थियों को ही प्रवेश देने की बात कही गई। पालकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा उन्हें गुमराह किया जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि विद्यालय की 'किड्स ज़ोन' में लगभग 50 छात्रों को प्रवेश दिया गया है, जिससे संदेह होता है कि प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई है। इस दौरान पालक राजेंद्र ठवरे समेत अन्य अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने स्कूल की आरटीई प्रवेश प्रक्रिया की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है। पालकों की शिकायत पर प्रशासन की ओर से जांच की संभावना जताई गई है।

शिवसेना (शिंदे गुट) में बगावत के सुर तेज

> वर्धा में पुराने पदाधिकारियों में गहरा असंतोष
> नए कार्यकर्ताओं की नियुक्ति से उपजा विवाद
> जिला संपर्क प्रमुख राज दीक्षित पर उठे सवाल

वर्धा/कारंजा घाड़गे.

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सांसद श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना (शिंदे गुट) ने वर्धा जिले में अपनी संगठनात्मक पकड़ मजबूत की थी। पूर्व विदर्भ के कई गांवों, ग्राम पंचायतों और नगर परिषदों को इस गुट से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। कारंजा घाड़गे नगर परिषद, जो पहले कांग्रेस से जुड़ी थी, अब शिंदे गुट का हिस्सा बन चुकी है।

हालांकि हाल ही में पार्टी में हुई कुछ नियुक्तियों को लेकर संगठन के भीतर तीखा असंतोष उभरकर सामने आया है। वर्धा जिले में राज दीक्षित को जिला संपर्क प्रमुख बनाए जाने के बाद से संगठन में आंतरिक कलह तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि हाल ही में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट से आए कुछ नए कार्यकर्ताओं को, जो अभी एक महीना भी पार्टी में नहीं बिताए हैं, सीधे सरकारी समिति में नियुक्त कर दिया गया। यह नियुक्तियाँ राज दीक्षित की उपस्थिति में मुंबई में हुईं।

इस निर्णय से तीन वर्षों से पार्टी के लिए निष्ठापूर्वक काम कर रहे पुराने कार्यकर्ता बेहद नाराज हैं। उनका आरोप है कि बिना किसी सलाह-मशविरा या पूर्व सूचना के नए लोगों को प्रमुख पद देना पुराने वफादार कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय है। सूत्रों के अनुसार, कुछ पदाधिकारी अपने पदों से इस्तीफा देने की तैयारी में हैं और संगठन के वरिष्ठ नेताओं को इस असंतोष से अवगत करा दिया गया है।

सबसे गंभीर बात यह है कि जिला संपर्क प्रमुख राज दीक्षित की भूमिका को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। कुछ पदाधिकारियों का कहना है कि क्या वे वास्तव में शिंदे गुट को मजबूत कर रहे हैं या उद्धव गुट को अंदर ही अंदर बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं?

कार्यकर्ताओं में खुलेआम नाराजगी

बिना किसी वरिष्ठ पदाधिकारी को विश्वास में लिए अचानक हुई नियुक्तियों के खिलाफ वर्धा जिले में शिवसेना (शिंदे गुट) के कार्यकर्ताओं में भारी रोष है। संगठन के अंदरखाने इस मुद्दे पर खासी चर्चा हो रही है।

प्रतिक्रिया : आर्वी विधानसभा के अध्यक्ष नितीन दर्यापुरकर ने कहा:

"हमने एकनाथ शिंदे और श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना को यहां खड़ा किया। जब कोई हमारे साथ नहीं था, तब हमने गांव-गांव जाकर कार्यकर्ता जोड़े और संगठन को मजबूती दी। आज जब संगठन खड़ा हो चुका है, तब बाहर से आए लोगों को बिना किसी सलाह के महत्वपूर्ण पद देना पुराने कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय है। हम उपमुख्यमंत्री से मिलकर अपनी नाराजगी दर्ज कराएंगे। यह दुखद है कि निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया जा रहा है।"

शुभांक

श्रीदेवी	246-2	238-3
श्रीदेवी नाईट	267-5	348-5